एमएसएमई से तीन करोड़ को रोजगार

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से प्रदेश में 45 लाख एमएसएमई इकाइयां लगी हैं। मौजूदा समय यह संख्या करीब 90 लाख है। वर्ष 2020-2021 तक इसकी संख्या 1.40 करोड़ तक पहुंच सकती है और इससे तीन करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा।

यह रिपोर्ट नेशनल सैंपल सर्वे डाटा के हवाले से एमएसएमई एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल (ईपीसी) ने जारी की है। एक जानकारी के मुताबिक वर्ष 2014-15 में यूपी के पास 44.03 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयां थीं, जो कि तीन वर्षों में औसतन 15 लाख इकाइयों की दर से बढ़ीं। इसमें 'एक जिला, एक उत्पाद' योजना की अहम भूमिका है।

रिपोर्ट में दावा

- यूपी में तीन सालों में 45 लाख एमएसएमई इकाइयां लगी
- यूपी के कुल औद्योगिक उत्पादन में 65% एमएसएमई का योगदान

उत्तर प्रदेश से हस्तकला, इंजीनियरिंग गुड्स, कालीन, रेडीमेड वस्त्र, चमड़े के उत्पाद आदि की श्रेणियों के तहत निर्यात बढ़ा है।

उत्तर प्रदेश में कुल औद्योगिक उत्पादन का लगभग 65 फीसदी एमएसएमई का योगदान है। राज्य में करीब 90 लाख पंजीकृत और अपंजीकृत इकाइयां हैं। यह इकाइयां 1.70 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदाता है। इस क्षेत्र में लगभग 27.27 लाख महिलाएं और 1.38 करोड़ पुरुष कार्यरत हैं।

Hindustan at P-9 | 21.11.2019